एसआईटी सिर्फ गौहत्या की जांच करेगी, नगर निगम के टेंडर की नहीं

नगर निगम आयुक्त ने अभी तक नहीं लिखा जांच कमेटी गठित करने के लिए पत्र

किसके कहने पर निगम कर्मियों ने रवाना किया था कंटेनर

पुलिस ने कंटेनर निगम अधिकारियों के सुपुर्द किया था

भोपाल, 19 जनवरी। राजधानी में गौमांस से भरे कंटेनर को छोड़ने में नया खुलासा हुआ है कि कंटेनर को सैंपल के बाद पुलिस ने नगर निगम को सौंप दिया था.

वहीं, महापौर को इस मामले की जानकारी नहीं है कि कंटेनर नगर निगम के अधिकारियों को सौंपा गया था जिसका पंचनामा बनाया गया था. एसआईटी सिर्फ गौहत्या की धाराओं में जांच करेगी ना कि टेंडर और नगर निगम की. पशु चिकित्सालय में गौमांस से भरे हुए कंटेनर को जब्त और छोड़ने को लेकर अभी तक संशय बना हुआ था कि पुलिस ने दबाव में आकर छोड़ दिया कि नगर निगम के

अधिकारियों के दबाव में छोड़ा गया. लेकिन यह बात सामने नहीं आ सही कि कंटेनर छोड़ने का कृत्य किसने ने किया. गौमांस के मामले को एक माह से ऊपर हो गया लेकिन सिर्फ स्लाटर हाउस के मालिक और कंटेनर के चालक को ही आरोपी बनाया जा सका है.. आगे कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इस मामले में एक नया खुलासा हुआ है कि अरेरा हिल्स थाने के द्वारा कंटेनर जब्ती की कार्रवाई की गई, और पशु चिकित्सालय में लगभग 12 पैकेटों से सैंपल लिए गए. अरेरा हिल्स थाने के सब इंसपेक्टर ने सैंपल लेने के बाद पंचनामा बनाकर कंटेनर को नगर निगम के सुपुर्द कर दिया था. पूरी कार्रवाई से संबंधित दस्तावेज जहांगीराबाद थाने को सौंप दिए गए.

महापौर को नहीं पता किसको सुपुर्द किया था कंटेनर

गौमांस से भरे कंटेनर की निगरानी की जिम्मेदारी नगर निगम की थी, लेकिन अपने वरिष्ठों के कहने पर कंटेनर को रवाना कर दिया, जिससे न्यायालय में आरोप सिद्ध न हो सके. यह कौन कर्मचारी, अधिकारी थे इसके नाम सामने नहीं आ रहे हैं. सबसे बड़ी बात तो यह है कि एक माह बाद भी महापौर अनभिज्ञ हैं कि कंटेनर की जिम्मेदारी किसे सौंपी थी, निगमायुक्त , अपरआयुक्त को मोबाइल किया गया लेकिन रिसीव नहीं किया.

नगर निगम के अधिकारियों ने छोड़ा था कंटेनर

जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे सच्चाई सामने आती जा रही है. कंटेनर को नगर निगम के अधिकारियों ने छोड़ा था, इस बात की पुष्टि जांचकर्ता सब इंसपेक्टर ने कर दी. तो अब यह जांच किन अधिकारियों को सौंप दी है यह कहना मुश्किल है. सुपुर्दगी पंचनामा थाना जहांगीराबाद में जांच अधिकारी के पास है. नगर निगम के जिन अधिकारियों को सुपुर्दगी की गई थी उनक नाम पता करने के लिए थाना प्रभारी से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन मोबाइल रिसीव नहीं किया.

सिर्फ गौहत्या के अपराध में होगी जांच

गौमांस की पुष्टि होने के बाद अभी तक जांच आगे नहीं बढ़ पा रही थी. वहीं पुलिस की जांच पर भी सवाल उठ रहे थे, जिसके चलते पुलिस आयुक्त भोपाल द्वारा जांच के लिए एसआईटी टीम का गठन किया गया. यह टीम पुलिस के पास जो प्रकरण दर्ज है उसके आधार पर सिर्फ गौहत्या से सबंधित जांच करेगी, न कि नगर निगम के टेंडर की. न ही यह जांच होगी कि किसने कंटेनर को रवाना किया और किसके कहने पर छोड़ा गया.

एसआईटी दल का गठन दो दिन पहले ही हुआ है, हम सिर्फ थाने में दर्ज धाराओं और गौहत्या से संबंधित बिंदु पर जांच करेंगे.
एसआईटी प्रमुख उमेश तिवारी
डीसीपी हबीबगंज

मेरी जानकारी में नहीं है कि जब्ती के बाद कंटेनर नगर निगम के किस अधिकारी या कर्मचारी को सौंपा गया था. मैं पता करती हूं.
मालती राय, महापौर, नगर निगम भोपाल

मेरे द्वारा गौमांस से भरे कंटेनर को पशु चिकित्सालय ले जाया गया, वहां पर सैंपल लेने के बाद पंचनामा बनाया और नगर निगम को सौंप दिया.
उमेश कुमार, जांच अधिकारी, सब इंस्पेक्टर, अरेरा हिल्स थाना भोपाल

लांबाखेड़ा में अतिक्रमण से जनता हो रही परेशान

सड़कों पर गंदगी और गड्ढे, नहीं होती साफ सफाई

भोपाल. राजधानी के बैरसिया रोड पर स्थित ग्राम लांबाखेड़ा क्षेत्र में जेएनसीटी कॉलेज जाने वाली सड़क किनारे अतिक्रमण हो रहा है, वहीं सड़कों में गड्ढे भी हो रहे हैं.

इन गड्ढों में पानी भरने और सफाई नहीं होने से गंदगी हो रही है. जिसकी वजह से वहां पर दो पहिया वाहन चालक दुर्घटना के शिकार हो चुके हैं. यह क्षेत्र नगर निगम के वार्ड 79 जोन 18 के अंतर्गत आता है. समस्या को लेकर कॉलेज प्रबंधन ने कलेक्टर को शिकायत भी की है.

जेएनसीटी कॉलेज के छात्र

जेएनसीटी प्रोफेशनल विश्व विद्यालय का संचालन जोन क्रमांक-18, वार्ड नं. 79, बैरसिया रोड पर न्यू चौकसे नगर में स्थित है. कॉलेज में यहां पर छात्रों को ग्राम लांबाखेड़ा से होकर गुजरना पड़ता है जिनको छोड़ने या स्वयं के दो पहिया वाहन से आते हैं जो इन सड़कों पर गड्ढा होने से दुर्घटना के शिकार रहे हैं. इस मार्ग पर बने मकानों के द्वारा अतिक्रमण कर दुकानें बना ली गई हैं. वहीं, कुछ मकानों पर तो सीढ़ियों का निर्माण कर लिया गया है जिससे सड़क पर निकलने लिए जगह कम रह गई है. इस तरह के अतिक्रमण से वहां पर यातायात जाम की स्थिति बन जाती है.

दवा वितरण के लिए 8 काउंटर, खोले केवल 2

▶ ऑनलाइन टोकन सिस्टम व्यवस्था भी ठप

हमीदिया अस्पताल में कुल 8 काउंटर

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 19 जनवरी. हमीदिया अस्पताल में मरीज अगर इलाज कराने आ रहे हैं तो संभल जायें. क्योंकि जहां स्वास्थ्य ठीक कराने जा रहे हैं. वहां इलाज से पहले घंटों का इंतजार पर्चा बनवाने और फिर घंटों का समय दवा लेने की लाइन में करना पड़ेगा।

इस बीच अगर आप बीपी, हार्ट या किसी बड़ी समस्या परेशान हैं फिर तो अकेले आने का सोचिये भी नहीं। क्योंकि अस्पताल में क्यूआर कोड से मिलने वाला टोकन सिस्टम ठप पड़ा हुआ है. वहीं दूसरी तरफ दवा वितरण को 8 काउंटर में से केवल 2 काउंटर ही खोले जा रहे हैं. जिसके कारण मरीजों को लंबी लाइन में लगकर दवा के लिए घंटों-घंटों का इंतजार करना पड़ रहा है. ऐसे में कई मरीज तो मजबूरन बाहर से दवा खरीदकर रहे हैं.

दवाइयां लेने मरीजों को करना पड़ रहा घंटों इंतजार

शरीर बिल्कुल खड़े होने लायक नहीं है, लेकिन फिर भी मजबूरी में घंटो से लाइन में लगा हुआ था. इतने इंतजार से तो अच्छा है बाहर से खरीद लेता।
मोहन सिंह, मरीज

पूरे अस्पताल में केवल एक जगह ही दवा मिलती है. यहां पर दवा वितरण के लिए 8 काउंटर बनाये गए हैं. लेकिन सिर्फ दो काउंटर खुलते हैं। इसलिए दवा के लिए दो दो घंटों तक लाइन में लगना पड़ता हैं.
शेख मोहम्मद सोहेल, मरीज

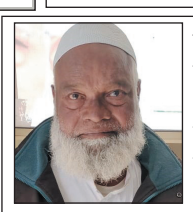

सुबह 8 बजे से आया हूं, पहले पर्चा बनवाने के लिए घंटो तक लाइन में लगा रहा. अभी दोपहर के 12 बज रहे हैं और मैं दवा के लिए लाइन में खड़ा हूं. उम्र अधिक है ज्यादा देर खड़े होने में तकलीफ है. फिर भी मजबूरी में दवा के लिए घंटो तक और लाइन में खड़े होना पड़ रहा है।
मोहम्मद सलीम, मरीज

भोपाल सेंट्रल जेल की महिला प्रहरी पर हमला

▶ पुरुष प्रहरी और उसके बेटों ने की मारपीट

▶ ढाई साल से निकाल रहा था पैसे

भोपाल, 19 जनवरी. सेंट्रल जेल में महिला प्रहरी से उसी सहकर्मी पुरुष प्रहरी ने अपने बेटों के साथ मिलकर हमला कर दिया. जिससे महिला प्रहरी के सिर में गंभीर चोट आई है.

इस घटना ने जेल प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं. मामला रात एक बजे के जेल के सामने का है. जेल प्रहरी कमला शर्मा के खाते से सहकर्मी प्रहरी शरीफ खान के बेटों ने पैसे निकाल लिए थे. जिसे लेकर दोनों में झगड़ा हो गया. इसके बाद शरीफ खान और उसके बेटों ने कमला शर्मा पर रॉड से हमला कर दिया. जिससे कमला के सिर में गंभीर चोट आई है. उन्हें हमीदिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया है. गांधीनगर थाना पुलिस ने मामले की जांच कर रही है.

शुरू हुआ ऑटोमेटिक गेट का कार्य

मेट्रो स्टेशन पर तीन महीने के अंदर होगा कार्य पूरा

भोपाल, 19 जनवरी. राजधानी में मेट्रो रेलवे स्टेशन को अत्याधुनिक मशीनों से तैयार करने के लिए कार्य शुरू हो गया हैस इसके लिए प्लेटफार्म पर जाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक गेट लगाने का अनुबंध दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन से अनुबंध हो चुका. एक स्टेशन पर इसकी शुरुआत हो चुकी है.

विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार भोपाल और इंदौर मेट्रो रेल के स्टेशन को बिना टिकट यात्रा करने वालों को रोकने के लिए नये कदम उठाए जो रहे हैं. इसके लिए नई दिल्ली में के मेट्रो स्टेशन की तरह विशेष व्यवस्था की जा रही है. जिससे कोई भी यात्री प्लेटफार्म पर बिना टिकिट ना जा सके और साथ ही बाहर भी ना आ सके. मेट्रो स्टेशन पर गेट लगने के बाद टोकन शुरू किया जाएगा. उसका संबंध गेट पर लगी मशीनों से होगा उसको गेट पर लगाने से गेट खुलेगा और

निकलने के लिए उसको गेट पर टोकन को डालना होगा उसके बाद ही गेट खुलेगा . मेट्रो रेल अभी सिर्फ सुभाष नगर से एम्स तक ही संचालिक हो रही है. इन दोनों स्टेशनों के बीच 6 स्टेशन बने हुए हैं केन्द्रीय विद्यालय, एमपी नगर, बोर्ड ऑफिस चौराहा, रानी कमलापति स्टेशन,डीआरएम ऑफिस, अलकापुरी स्टेशनों पर इस तरह की व्यवस्था की जाएगी. मेट्रो रेल के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन से पिछले माह अनुबंध हुआ था जिसका कार्य सुभाष नगर से शुरू हो गया है.

सुभाष नगर स्टेशन पर कार्य शुरू

इलेक्ट्रॉनिक गेट लगाने की शुरुआत मेट्रो स्टेशन सुभाष नगर से की जा रही है. यहां पर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के द्वारा काम शुरू कर दिया गया है. यहां पर सभी आने एवं जाने के द्वार पर यह मशीन लगाई जा रही है. जो सेंसर युक्त होगी . इस मशीन पर टिकिट के रूप में टोकन रहेगा जिसे गेट खोलने के लिए सेंसर पर टच करने पर ही खुलेगा.

भोपाल में नवविवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत

भोपाल. भोपाल के छोला मंदिर इलाके में महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई. सोमवार तड़के उसका शव बिस्तर पर मिला था. महिला की शादी 14 महीने पहले हुई थी. मौत से पहले उसका पति से विवाद हुआ था. मृतका के भाई ने जीजा पर बहन की हत्या का आरोप लगाया है. छोला मंदिर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है. कंचन साहू पति हेमराज साहू (28) राधाकृष्ण कॉलोनी खेजड़ा की रहने वाली थी. उसकी शादी 14 महीने पहले हुई थी. मृतका के बड़े भाई सोनू साहू ने बताया कि बहन की शादी के बाद से ही पति मनमर्जी का दहेज नहीं मिलने से नाराज होकर ताने देता था. मां की मौत के बाद पहला त्योहार मनाने बहन रविवार को घर आई थी. शाम के समय बहन का पति उसे लेने आया था. बहन ने उससे दो दिन और मायके में रुकने की इच्छा जाहिर की. इस पर पति गुस्सा हो गया, तब बहन उसके साथ उसी समय लौट गई.

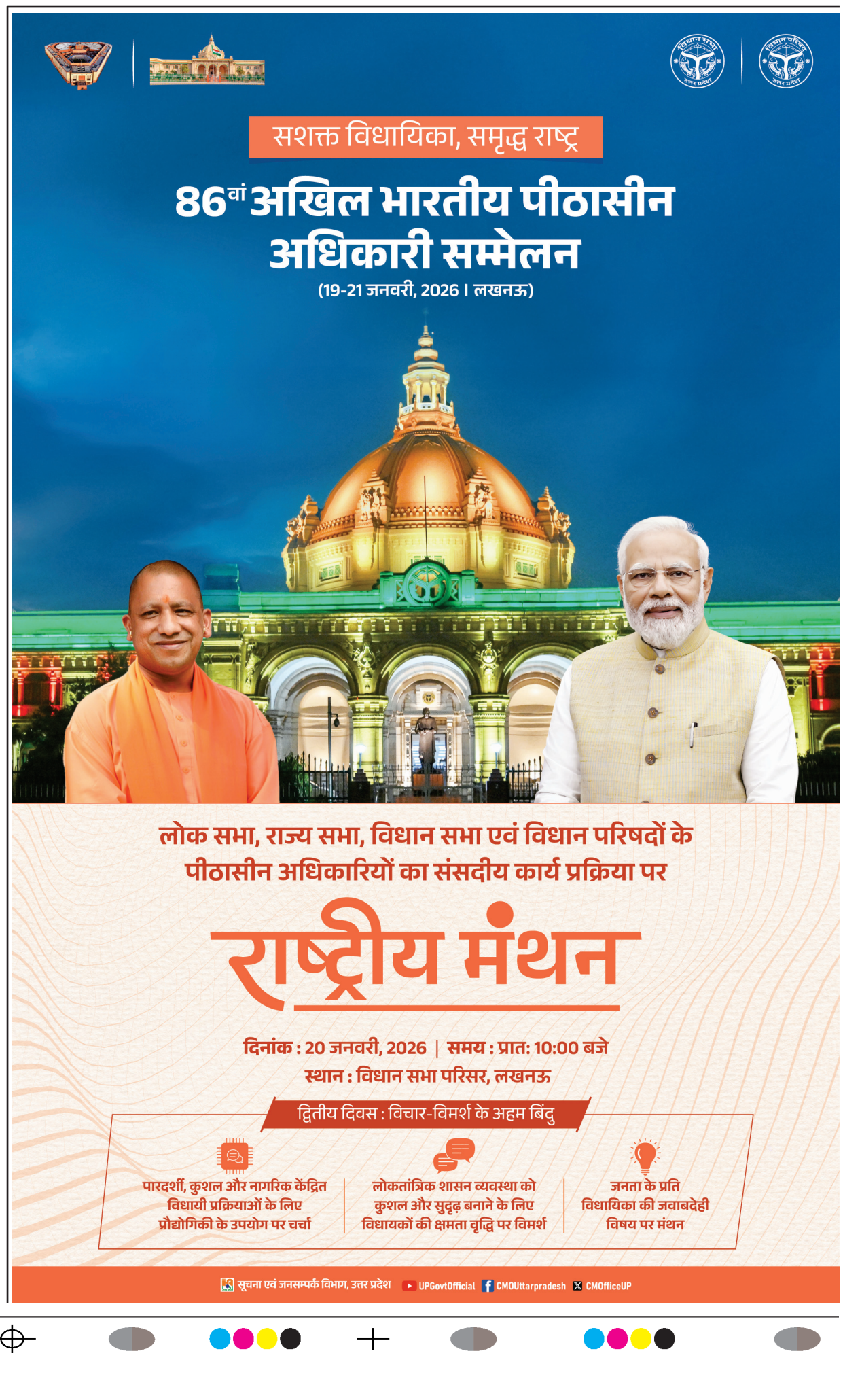

आंदोलन वर्ग 1, 2023 भर्ती के वेटिंग लिस्ट अभ्यर्थी उतरे सड़कों पर

200 अभ्यर्थियों ने किया अंग रंग प्रदर्शन

नवभारत प्रतिनिधि

भोपाल, 19 जनवरी. राजधानी में शिक्षक भर्ती को लेकर अभियान तेज होता जा रहा है. सोमवार को शिक्षक वर्ग 1 के वेटिंग लिस्ट के अभ्यर्थियों ने जोरदार अंग-रंग प्रदर्शन किया. 50 जिलों से आये करीब 200 से अधिक अभ्यर्थियों ने लिंक रोड नंबर 2 के पास घंटो बैठकर नारेबाजी की.

अभ्यर्थियों ने बताया शिक्षक वर्ग 1 के लिए 2023 में करीब 8720 पदों पर पहले पात्रता परीक्षा करायी गयी. फिर चयन परीक्षा पास करने के बाद करीब 2900 पदों पर ही नियुक्ति दी गई. जबकि 5 हजार पदों को बैकलॉग में डाल दिया गया. ऐसे में 80 पर्सेंटाइल से अधिक नंबर लाकर भी नियुक्ति नहीं ले पा रहे हैं. अभ्यर्थियों का कहना है कि पहले 16 -17 हजार पदों पर वर्ग 1 के लिए भर्ती निकलती थी. लेकिन 2023 में केवल 8720 पदों पर नियुक्ति निकाली गयी। ऐसे में स्कूलों में शिक्षकों की कमी भी बढ़ती जा रही है और नौकरी न मिलने से उनमें मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा है.

अभ्यर्थियों की मांग

2023 में वर्ग 1 भर्ती निकली थी, पात्रता और चयन परीक्षा पास करने के बाद भी हम लोगों के हाथ में नियुक्ति पत्र नहीं है. क्योंकि पदों की संख्या बहुत कम है. जितने पदों पर भर्ती निकाली उतने पदों पर भी भर्ती नहीं की. **-संध्या पांडेय, अभ्यर्थी-**

हर 4 से 5 साल में स्थायी शिक्षकों की भर्ती निकलती है. हम पूरी मेहनत से पढ़ाई करके परीक्षा पास करते हैं. अंत में वेटिंग लिस्ट में आकर रुक जाते हैं. लम्बे समय के अंतराल के बाद तो हम अगली परीक्षा में बैठने योग्य ही नहीं रह जाते।
-अनीता सुर्याशी, अभ्यर्थी-